रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 11 मई, 2026

वर्ष 02 | अंक 116 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

अब दक्षिण के राज्यों पर BJP की नजर

तमिलनाडु में अपनाएगी बंगाल वाला फॉर्मूला

अरब सागर के तट से वर्ष 1980 में शुरू हुई भाजपा की राजनीतिक यात्रा 46 साल बाद गंगासागर तक पहुंच गई है। हालांकि, हिंद महासागर की सीमाई राज्यों तक पहुंचना अभी बाकी है। पार्टी का अगले एक दशक का लक्ष्य सारी समुद्री सीमाओं वाले प्रदेशों में भाजपा को सत्ता तक पहुंचाना है। इसके लिए अब पार्टी अपने मिशन दक्षिण के लिए बदली हुई रणनीति पर काम करेगी। भाजपा की पहुंच से दूर रहा तेलंगाना उसका पहला लक्ष्य है। उसके बाद केरल और तमिलनाडु की व्यूह रचना पर काम होगा। कर्नाटक में उसे अगले ही चुनाव में वापसी की उम्मीद है। साल 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ समय बाद ही अमित शाह ने भाजपा की कमान संभाली थी। उन्होंने अपने पहले ही भाषण में भाजपा के पूर्वोत्तर विस्तार और कोरोमंडल में पहुंच का विशाल रोड मैप पेश किया था। पूर्वोत्तर से कांग्रेस को सत्ता से

बाहर करने और प्रमुख पूर्वी राज्यों बिहार, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल में अपने मुख्यमंत्री बनाने के बाद अब वह अधूरे मिशन दक्षिण की ओर बढ़ने जा रही है।

तमिलनाडु में तैयार भाजपा की जमीन

दक्षिण के पांच राज्यों में भाजपा अभी आंध्र प्रदेश में तेलुगुदेशम के साथ गठबंधन सरकार में है। कर्नाटक में कई बार सरकार बना चुकी पार्टी को अगले चुनाव में फिर से सत्ता में आने का भरोसा है। बाकी तीन राज्यों तेलंगाना, तमिलनाडु एवं केरल उसके अगले लक्ष्य हैं। तेलंगाना में भाजपा की जमीन तैयार हो चुकी है। केरल और तमिलनाडु ही उसके लिए सबसे मुश्किल राज्यों में शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, भाजपा तमिलनाडु में पश्चिम बंगाल का फॉर्मूला अपनाएगी और अपनी पार्टी को मजबूत करने के लिए अन्नाद्रमुक के कई प्रमुख नेताओं को अपने साथ लाएगी। यहां हाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने नागेंद्रन भी अन्नाद्रमुक से ही आए हैं।

वाम दलों की जगह लेने की तैयारी

केरल भाजपा से ज्यादा आरएसएस की मजबूती के लिए जाना जाता है। इस बार के चुनाव में भाजपा ने बदलाव वाले चुनाव में अपने लिए तीन सीट जीतकर तथा पांच सीट पर दूसरे स्थान पर रहकर अपने भावी अभियान की शुरुआत कर दी है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा वाम दलों की हार के बाद अब उसका स्थान खुद हासिल करने की तैयारी में है। राज्य में हिंदू समुदाय की सालों से पसंद रहे वाम दलों की जगह अब भाजपा लेने की तैयारी में है। ईसाई समुदाय में भी भाजपा ने अपनी पकड़ बनाई है।

तमिलनाडु में बनी विजय की सरकार

राज्यपाल ने थलपति को दिलाई मुख्यमंत्री पद की शपथ

तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को लेकर पिछले कुछ दिनों से अनिश्चितता देखने को मिल रही थी। थलपति विजय की पार्टी टीवीके ने एकतरफा जीत तो हासिल की सरकार बनाने का रास्ता साफ नहीं हो पा रहा था। अब आखिरकार ये रास्ता साफ हो गया है और द्रमुक की सहयोगी वीसीके और आइयूएमएल ने सरकार बनाने के लिए टीवीके को बिना शर्त के समर्थन दे दिया है। इसके बाद विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। विजय के साथ 9 अन्य मंत्री भी शपथ लेते हुए दिखाई दिए, जिनमें टीवीके कुछ वरिष्ठ नेता शामिल हैं। विजय अब गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे जिसमें कांग्रेस भी सहयोगी के रूप में शामिल होगी। इसके पहले 13 मई तक विजय को विधानसभा में विश्वास मत हासिल करना होगा।

राज्यपाल बहुमत से आश्वस्त

121 विधायकों के समर्थन पत्र के साथ विजय को चार दिनों में चौथी बार राज्यपाल विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात करते हुए देखा गया। बहुमत के दावे से आश्वस्त होने के बाद राज्यपाल ने विजय को तमिलनाडु का मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया है।

थलपति विजय ने ली सीएम पद की शपथ

कल सुबह 10 बजे जवाहरलाल नेहरू इनडोर स्टेडियम में विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई। विजय के साथ टीवीके नेता एन आनंद, डॉ केजी अरुणराज, पी वेंकटरमण, आर निर्मलकुमार, आधव अर्जुन, एस कीर्तना, राजमोहन और डॉ टीके प्रभु ने भी तमिलनाडु राज्य के मंत्री के रूप में शपथ ली।

विजय को कैसे मिला समर्थन

तमिलनाडु में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिल पाने की वजह से राजनीतिक गहमा गहमी बनी हुई थी। 108 सीटों के साथ टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। सरकार बनाने के लिए इसे 10 विधायकों का समर्थन चाहिए था।

पुडुचेरी में फिर रंगासामी सरकार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुख्यमंत्री पद पर नियुक्ति को दी मंजूर

पुडुचेरीः केंद्र शासित प्रदेश की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। राष्ट्रपति ने को पुडुचेरी का मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया है। नियुक्ति की आधिकारिक मंजूरी मिलने के बाद राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है।रंगासामी को केन्द्रशासित प्रदेश में नए सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। वे 13 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। एन. रंगासामी को पुडुचेरी की राजनीति का अनुभवी और प्रभावशाली चेहरा माना जाता है।

वह पहले भी कई बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं और प्रशासनिक अनुभव के कारण उनकी अलग पहचान है। उनकी पार्टी ने हालिया राजनीतिक परिस्थितियों में समर्थन जुटाकर सरकार बनाने का दावा पेश किया था, जिसके बाद संवैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए राष्ट्रपति की मंजूरी जारी की गई। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि रंगासामी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार विकास, बुनियादी ढांचे, पर्यटन और रोजगार पर विशेष ध्यान दे सकती है। पुडुचेरी की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की बड़ी भूमिका है और नई सरकार से इस क्षेत्र को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार जल्द ही मंत्रिमंडल गठन की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। संभावित मंत्रियों के नामों को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हैं। सहयोगी दलों और समर्थक विधायकों के बीच विभागों के बंटवारे को लेकर बैठकों का दौर जारी है। एन. रंगासामी ने नियुक्ति के बाद समर्थकों और जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेगी और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने प्रशासन में पारदर्शिता, जनकल्याण योजनाओं के विस्तार और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने का भी भरोसा दिलाया। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद पुडुचेरी में समर्थकों के बीच उत्साह का माहौल देखा गया। कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई और रंगासामी के समर्थन में नारे लगाए।

जान जोखिम में डाल लोग कर रहे नाव से सोन नदी पार नदी पर पुल का अभाव

प्रदीप सिंह बघेल

उमरिया जिले के मानपुर विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भोलगढ़ के ग्राम छाप से शहडोल जिले के ग्राम पापोंद, सरसी सहित दर्जनों गांवों के लोगों का रोजमर्रा का जीवन आज भी सोन नदी पर चलने वाली मोटर बोट के भरोसे टिका हुआ है। हालात ऐसे हैं कि एक जिले से दूसरे जिले तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों के पास नाव के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। ग्रामीणों को रोजाना लगभग एक से डेढ़ किलोमीटर तक का नदी मार्ग मोटर बोट के सहारे तय करना पड़ता है। इसी रास्ते से लोग बाजार, कामकाज और जरूरी घरेलू जरूरतों के लिए आवागमन करते हैं। कई बार लोग अपनी मोटरसाइकिल तक नाव में रखकर नदी पार करते दिखाई देते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल एक साधारण सफर नहीं बल्कि हर दिन जान जोखिम में डालकर किया जाने वाला सफर है। नाव में सुरक्षा के नाम पर कोई व्यवस्था मौजूद नहीं है। ना तो यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट उपलब्ध हैं और ना ही किसी प्रकार की सुरक्षा निगरानी की व्यवस्था दिखाई देती है। इसके बावजूद मजबूरी में लोग इसी रास्ते से आवाजाही कर रहे हैं। ग्रामीण बताते हैं कि बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। सोन नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ तेज बहाव के बीच नाव से सफर करना खतरे से खाली नहीं रहता। कई बार नाव डगमगाने लगती है, जिससे यात्रियों में डर का माहौल बना रहता है। बावजूद इसके लोगों को अपनी जरूरतों के लिए इसी रास्ते का सहारा लेना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार सोन नदी पर पुल निर्माण का कार्य करीब चार से पांच साल पहले शुरू हुआ था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि पुल बनने के बाद वर्षों पुरानी परेशानी खत्म हो जाएगी और सुरक्षित आवागमन का रास्ता मिल सकेगा। लेकिन निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। अधूरा पड़ा पुल लोगों के लिए विकास के अधूरे वादों की कहानी बनकर रह गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि और अधिकारी बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन जमीनी हालात आज भी वैसे ही बने हुए हैं। लोगों को आज भी नाव के सहारे अपनी जिंदगी का सफर तय करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यदि नदी पार करते समय कोई हादसा हो जाए तो बचाव के लिए तत्काल कोई व्यवस्था मौजूद नहीं है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को भी इसी जोखिम भरे रास्ते से गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द पुल निर्माण कार्य पूरा कराने और नाव संचालन में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग की है। इस संबंध में मानपुर जनपद पंचायत के सीईओ अंकित सिरोठिया ने कहा कि मामले को दिखवाया जाएगा। हालांकि ग्रामीणों को अब सिर्फ आश्वासन नहीं बल्कि सुरक्षित और स्थायी समाधान का इंतजार है।

बारातियों से भरी बस पेड़ से टकराई चालक पर नशे की हालत में वाहन चलाने का आरोप

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल जिले में शनिवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब ब्यौहारी लौट रही बारात की बस अचानक अनियंत्रित होकर महुआ के पेड़ से टकरा गई। राहत की बात यह रही कि बस में सवार सभी बराती सुरक्षित हैं और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार ब्यौहारी क्षेत्र के ग्राम जमोड़ी से बारात बहेरिया गई थी। बारात में शामिल दादू एंड संस की बस क्रमांक एमपी 18 पी 0655 बरातियों को वापस जमोड़ी लेकर लौट रही थी। बरातियों का आरोप है कि बस चालक शुक्रवार रात बारात निकासी के दौरान भी शराब पी रहा था। उस समय लोगों के विरोध के बाद उसने शराब पीना बंद कर दिया था, लेकिन शनिवार सुबह भी चालक नशे की हालत में बस चला रहा था। बरातियों ने बताया कि रास्ते में चालक तेज रफ्तार से बस चला रहा था, तभी अचानक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे महुआ के पेड़ से जा टकराई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। बाद में दूसरे चालक की व्यवस्था कर सभी बरातियों को सुरक्षित जमोड़ी पहुंचाया गया। घटना को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर राम सिंह अग्रवाल सम्मानित,रायपुर में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने मोमेंटो देकर किया सम्मान...

कोरबा विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राजधानी रायपुर में आयोजित सम्मान समारोह में रेड क्रॉस सोसाइटी कोरबा इकाई के चेयरमैन एवं समाजसेवी राम सिंह अग्रवाल को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

कोरबा में "चाचा नेहरू" के नाम से पहचान रखने वाले राम सिंह अग्रवाल को रेड क्रॉस समिति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।शिक्षासमारोह में प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने रेड क्रॉस सोसाइटी के माध्यम से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की।

राम सिंह अग्रवाल ने अपने कार्यकाल में कोरबा जिले में रेड क्रॉस समिति की गतिविधियों को तेज गति से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में अब तक 1370 नए सदस्यों को रेड क्रॉस सोसाइटी से जोड़ा गया है।

इसके साथ ही रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। समाजसेवा और मानवता के प्रति समर्पित कार्यों के लिए मिले इस सम्मान पर जिले के सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने राम सिंह अग्रवाल को बधाई दी है।

आंधी तूफान नें बरपाया कहर अंधेरे में डूबा पूरा शहर

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल शहर में दरमियानी रात मौसम ने अचानक ऐसा रौद्र रूप दिखाया कि लोग सहम उठे। तेज आंधी, तूफान और धूल भरी हवाओं के बीच पूरे शहर की बिजली व्यवस्था ठप हो गई और देखते ही देखते शहडोल अंधेरे की चपेट में आ गया। रातभर चली तेज हवाओं ने शहर के कई हिस्सों में भारी नुकसान पहुंचाया।

जगह-जगह पेड़ गिर गए, दीवारें धराशायी हो गईं और टीन-टप्पर उड़कर सड़कों पर जा गिरे। कई इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सबसे बड़ा हादसा टल गया जब नटराज होटल के सामने वाले मार्ग पर एक बड़ा पेड़ अचानक गिर पड़ा और पास स्थित कपड़े की दुकान तक जा पहुंचा। घटना के दौरान वहां मौजूद दो लोग बाल-बाल बच गए, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

तेज तूफान का असर धार्मिक स्थलों पर भी दिखाई दिया। राम मंदिर परिसर में लगे टीन शेड हवा में उड़ गए, जिससे परिसर में अव्यवस्था फैल गई। वहीं तालाब क्षेत्र सहित शहर के कई हिस्सों में देर रात तक तबाही जैसे हालात बने रहे। आंधी के साथ बिजली गुल होने से लोग पूरी रात परेशान रहे। कई मोहल्लों में घंटों अंधेरा पसरा रहा। बिजली विभाग की टीमों को भी खराब मौसम के बीच फॉल्ट तलाशने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की तेज आंधी ने नगर पालिका और बिजली विभाग की तैयारियों की पोल खोल दी है। कमजोर पेड़, जर्जर टीन शेड और लटकते बिजली तार लंबे समय से खतरा बने हुए थे, लेकिन समय रहते कार्रवाई नहीं की गई। फिलहाल प्रशासन नुकसान का आंकलन करने में जुटा है, वहीं लोगों में डर का माहौल बना हुआ है कि यदि मौसम ने फिर करवट ली तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

रणजीत टाइम्स

रिंगनोद पुलिस कि बड़ी कार्रवाई : ताराघाटी लूटकांड का खुलासा,

2 आरोपी गिरफ्तार, 1.61 लाख का मशरुका बरामद

दिलीप पाटीदार

सरदारपुर। रिंगनोंद क्षेत्रान्तर्गत स्थित ताराघाटी में हुई लूट की वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा लगातार रात-दिन सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप लूट की घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 1,61,000/- का मशरुका भी बरामद किया है। सरदारपुर थाना प्रभारी अनिल कुमार जाधव ने बताया कि दिनांक 05/05/2026 को फरियादी पप्पु पिता केलसिंह अनारे निवासी ग्राम चामझर अपनी पत्नी के साथ रिंगनोंद आया था, जहां चांदी गिरवी रखकर 2,70,000/- रुपये प्राप्त किए। वापस जाते समय टांडा रोड वन चौकी के पास मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बदमाशों ने ओवरटेक कर गिरा दिया और नगदी से भरी थैली छीनकर फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना सरदारपुर में अपराध क्रमांक 122/2026 धारा 304(2), 310(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था ।

उक्त घटना को संवेदनशीलता व गंभीरता से लेते हुए नवागत जिला पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विजय डावर एवं श्रीमती पारूल बेलापुरकर तथा एसडीओपी सरदारपुर श्री विश्वदीप सिंह परिहार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सरदारपुर श्री अनिल कुमार जाधव व चौकी प्रभारी रिंगनोद गुलाबसिंह भयडिया की विशेष टीमें गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा वैज्ञानिक एवं तकनीकी आधार पर जांच करते हुए महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए गए। मौके पर साइबर टीम को बुलाकर सूक्ष्मता से जांच की गई। दिनांक 09.05.2026 को रिंगनोद पुलिस को मुखबिर सूचना मिली की ताराघाटी में हुई लूट की घटना गोकुल निवासी भीलखेडी व मुकाम निवासी कालीदेवी द्वारा की गई हैं मुखबिर सूचना विश्वसनीय होने से उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर मुखबिर द्वारा बताये स्थानों पर दबिश देकर आरोपी गोकुल पिता हरिसिंह निवासी नयापुरा भीलखेड़ी व मुकाम पिता धनसिंह भील निवासी कालीदेवी थाना टांडा को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों ने पुछताछ में बताया कि हम लोग अपने साथियों के साथ दो टोली बनाकर मौके पर पहुँचे थे तथा घटनास्थल पर घेराबंदी कर पीडितों के साथ डकैती की घटना को अंजाम दिया था। घटना के बाद बदमाशों द्वारा लूट की रकम का आपस में बँटवारा कर लिया गय था। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक मोटर साइकल एवं 1,01,000/- नगद जप्त किए गए । घटना में शामिल चार अन्य आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश हेतु गठित टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही हैं।

सराहनीय कार्यः- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सरदारपुर निरीक्षक अनिल कुमार जाधव, चौकी प्रभारी रिंगनोद उपनिरीक्षक गुलाबसिंह भयड़िया, सहउपनिरिक्षक जितेन्द्र नरवरिया, प्रधानआरक्षक मेहरसिंह बडोले,आरक्षक शिवजी श्रीवास्तव,आरक्षक राहुल मंडलोई,आरक्षक मुनसिंह मईड़ा,आरक्षक दिनेश सोलंकी,आरक्षक भारतसिंह भुरा व सायबर सेल प्रभारी उ.नि. प्रशांत गुंजाल, आर.प्रशांत सिंह चौहान, आर शुभम शर्मा का विशेष योगदान रहा है।

परिवहन विभाग की बड़ी कार्यवाही धार में विशेष चेकिंग अभियान के दौरान 50 वाहनों पर लगा 1.67 लाख का जुर्माना

दिलीप पाटीदार

धार, परिवहन आयुक्त एवं कलेक्टर के आदेशों के परिपालन में जिला धार में सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन हेतु 1 मई 2026 से 9 मई 2026 तक एक विशेष संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, धार एवं उनकी टीम द्वारा संचालित इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर वाहनों की सघन जांच की गई। जाँच के दौरान पाया गया कि कई वाहन स्वामियों द्वारा जानबूझकर नियमों की अनदेखी करते हुए बिना वैध परमिट, बिना फिटनेस सर्टिफिकेट और बिना पी.यू.सी. के वाहनों का संचालन किया जा रहा था। इस लापरवाही पर टीम द्वारा सख्त रुख अपनाते हुए नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की गई।अभियान के अंतिम दिन, 9 मई 2026 को चेकिंग के दौरान वाहन क्रमांक MP11G3587 (पिक-अप) को रोका गया, जिसमें क्षमता से अत्यधिक 40 से ज्यादा यात्री सवार पाए गए। जान जोखिम में डालकर किए जा रहे इस परिवहन पर त्वरित कार्यवाही करते हुए 18,000 का जुर्माना लगाया गया। उल्लेखनीय है कि कार्यवाही के दौरान उक्त वाहन के चालक द्वारा मौके पर विवाद कर शासकीय कार्य में बाधा डालने का प्रयास भी किया गया।समग्र अभियान के दौरान कुल 50 वाहनों को नियमों के विरुद्ध संचालित पाया गया, जिनसे कुल 1,67,500 की जुर्माना राशि वसूल की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से इस प्रकार की चेकिंग कार्यवाही भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अनिवार्य रूप से यातायात नियमों का पालन करें और अपने वाहनों के दस्तावेज पूर्ण रखें, अन्यथा कड़ी दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी

इंदौर पुलिस की बड़ी कार्रवाईः नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी कुछ घंटों में गिरफ्तारं

खूशबू श्रीवास्तव

इंदौर। महिला एवं बाल अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के तहत थाना चंदन नगर पुलिस ने नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर पुलिस द्वारा 5 हजार का नगद इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार 17 वर्ष 11 माह की नाबालिग पीड़िता ने अपने परिजनों के साथ थाना चंदन नगर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते वह वर्ष 2025 में खरगोन से इंदौर आकर अपने रिश्तेदार के घर रहने लगी थी। इसी दौरान आरोपी ने पारिवारिक संबंधों और विश्वास का दुरुपयोग करते हुए उसे धमकाकर कई बार दुष्कर्म किया।

पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देता था, जिसके डर से वह लंबे समय तक किसी को घटना की जानकारी नहीं दे सकी। लगातार शोषण के कारण पीड़िता गर्भवती हो गई और 30 अप्रैल 2026 को इंदौर के एक निजी अस्पताल में उसने बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद परिजनों को पूरे मामले की जानकारी हुई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं पाक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी जोन-4 के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई और तकनीकी व मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी विकास नायक (23) निवासी पालदा को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रकरण में एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है तथा डीएनए परीक्षण सहित वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक तिलक कारोले, उप निरीक्षक सौरभ कुशवाह, उप निरीक्षक संध्या श्रीवास्तव सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सिर्फ 10 मिनट का सहजयोग ध्यान आपके जीवन में क्या बदलाव ला सकता है?

आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में इंसान बाहर से जितना व्यस्त दिखाई देता है, अंदर से उतना ही बेचैन और थका हुआ महसूस करता है। तनाव, चिंता, गुस्सा और असंतोष धीरे-धीरे हमारे जीवन का हिस्सा बनते जा रहे हैं। ऐसे समय में सहजयोग एक ऐसा सरल मार्ग दिखाता है, जहाँ केवल 10 मिनट का ध्यान भी जीवन में गहरा परिवर्तन ला सकता है। सहजयोग की स्थापना का उद्देश्य है मनुष्य को उसकी आंतरिक शक्ति और आत्मशांति से जोड़ना। सहजयोग में ध्यान किसी कठिन प्रक्रिया का नाम नहीं, बल्कि अपने भीतर स्थित आत्मा का अनुभव प्राप्त करने का माध्यम है।

सहजयोग में ध्यान करते समय व्यक्ति अपने विचारों से धीरे-धीरे मुक्त होने लगता है। इसे "निर्विचार समाधि" की अवस्था कहा जाता है, जहाँ मन शांत हो जाता है। केवल 10 मिनट का

नियमित ध्यान दिनभर के तनाव को कम कर सकता

है और भीतर गहरी शांति का अनुभव कराता है। जब मन शांत होता है, तब व्यक्ति खुद को बेहतर समझ पाता है। सहजयोग ध्यान नकारात्मक सोच को कम करके आत्मविश्वास बढ़ाता है। व्यक्ति छोटी-छोटी बातों पर परेशान होने के बजाय हर परिस्थिति को सकारात्मक दृष्टि से देखने लगता है। सहजयोग केवल व्यक्तिगत शांति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यवहार को भी बदलता है। ध्यान करने से गुस्सा कम होता है, धैर्य बढ़ता है और दूसरों के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना विकसित होती है। इससे परिवार और समाज में रिश्ते मजबूत होते हैं।सहजयोग का सबसे विशेष पहलू है "आत्मसाक्षात्कार"। माना जाता है कि हमारे भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति ध्यान के माध्यम से जागृत होकर हमें आत्मिक शांति और आनंद का अनुभव कराती है। यह अनुभव व्यक्ति को भीतर से मजबूत और संतुलित बनाता है।

नियमित सहजयोग ध्यान से नींद में सुधार, मानसिक तनाव में कमी और शरीर में ऊर्जा का अनुभव होता है। जब मन शांत होता है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव शरीर पर भी दिखाई देता है। सिर्फ 10 मिनट का सहजयोग ध्यान जीवन की दिशा बदल सकता है। यह हमें बाहरी भागदौड़ से निकालकर अपने भीतर की शांति और आनंद से जोड़ता है।

आज जब हर व्यक्ति सुकून की तलाश में है, तब सहजयोग एक सरल, निशुल्क और प्रभावी मार्ग बनकर सामने आता है। यदि इसे नियमित रूप से अपनाया जाए, तो जीवन अधिक संतुलित, शांत और खुशहाल बन सकता है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

अलविदा ग्वालियर

डी आई जी ग्वालियर की लगभग पौने दो साल की पदस्थापना के उपरांत आज नवीन पदस्थापना के लिए ग्वालियर से विदा ली ग्वालियर के नागरिकों से मिले स्नेह और सहयोग का मैं हमेशा आभारी रहूँगा यहाँ कार्य करते हुए हमेशा ऐसा लगा जैसे मैं अपने घर में हूँ और परिवार के सदस्यों के बीच हूँ सभी नागरिकों और पुलिस परिवार के मेरे समस्त साथियों का हृदय से धन्यवाद सभी को शुभकामनाएँ ।। जय हिन्द।।

राष्ट्रीय लोक अदालत सम्पन्न

खेतिया। राष्ट्रीय लोक अदालत में परस्पर समन्वय और आपसी सहमति के आधार पर मामलों का निराकरण होने से पक्षकारों के बीच वैमनस्य बढ़ने की बजाय सौहार्द कायम रहता है। यही कारण है कि राष्ट्रीय लोक अदालत आमजन को त्वरित, सरल और कम खर्चीला न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बनती जा रही है। उक्त बात न्यायाधीश श्रीमती नीलम खटाना ने लोक अदालत के शुभारंभ के अवसर पर कही जिला सत्र एवं प्रधान न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री महेंद्र जैन के मार्गदर्शन में खेतिया न्यायालय में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ मा सरस्वती व महात्मा गांधी जी की चित्र का पूजन कर न्यायाधीश श्रीमती नीलम खटाना ने उपस्थित अभिभाषाको,अधिकारी कर्मचारियों व पक्षकारों की उपस्थिति में किया।राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न वसूली प्रकरणों में छूट दी जाती है राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकृति के प्रकरणों का आपसी समझौते से निराकरण किया गया। न्यायालयों में लंबित मामलों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में भी पक्षकारों ने सहमति के आधार पर समाधान स्वीकार किया। बैंक

वसूली, पारिवारिक विवाद, चेक अनादरण तथा राजीनामा योग्य आपराधिक मामलों सहित कई प्रकरणों का मौके पर ही निपटारा किया गया।सम्पन्न लोक अदालत में 30प्रकरणों का निराकरण करते हुए- 233560/-की वसूली करते हुए 50,पक्षकार लाभान्वित हुए। इस दौरान लोक अदालत खंडपीठ सुलहकर्ता अभिभाषक भगवान गवले अभिभाषक संघ अध्यक्ष संजय पटेल,अभिभाषककपिल शाह,संजय पंडित, ,मनीष अशर्मा, जमील मंसूरी,गौरव सोनी,सुश्री कोमल सोनी,बैंक नप व न्यायलयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहजयोग आज का महायोग दीप सदैव दूसरों के लिए जलता है, न कि स्वयं के लिए

दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। वह अपने अस्तित्व का उपयोग केवल अपने लिए नहीं करता, बल्कि आसपास के अंधकार को दूर करने के लिए करता है। यही भावना अध्यात्म का सार है, और सहजयोग में इसे अत्यंत गहराई से आत्मसात किया जाता है। सहजयोग के अनुसार मनुष्य के भीतर एक दिव्य शक्ति — कुंडलिनी — विद्यमान है। जब यह शक्ति जागृत होती है, तब व्यक्ति केवल अपने सुख और स्वार्थ तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके भीतर प्रेम, करुणा और सेवा का भाव स्वतः प्रकट होने लगता है। जैसे दीपक का स्वभाव प्रकाश देना है, वैसे ही जागृत आत्मा का स्वभाव दूसरों के जीवन में शांति और आनंद फैलाना है।

श्री हनुमान इसका सर्वोत्तम उदाहरण हैं। उनके पास अपार शक्ति थी, पर उन्होंने कभी उसका उपयोग व्यक्तिगत लाभ

के लिए नहीं किया। उनका जीवन पूर्णतः सेवा, समर्पण और धर्म के लिए समर्पित था। वे स्वयं तपते रहे, संघर्ष करते रहे, परंतु संसार को साहस, सुरक्षा और

भक्ति का प्रकाश देते रहे। वे एक ऐसे दीपक हैं जिन्होंने न सिर्फ स्वयं को, बल्कि समस्त मानवता को प्रकाशित किया।

सहजयोग में भी साधक को यही शिक्षा दी जाती है कि आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के बाद उसका जीवन केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित न रहे। यदि ध्यान से हमें शांति मिलती है, तो उस शांति को दूसरों तक पहुँचाना भी हमारा कर्तव्य है। यदि हमारे भीतर प्रेम जागृत होता है, तो वह केवल अपने परिवार तक सीमित न होकर समाज तक फैलना चाहिए। दीपक का प्रकाश तभी सार्थक है जब वह किसी और का अंधकार दूर करे। उसी प्रकार आध्यात्मिकता तभी पूर्ण मानी जाती है जब वह दूसरों के जीवन में आशा, संतुलन और आनंद उत्पन्न करे। सहजयोग हमें सिखाता है किः अपने भीतर का दीप जलाओ, अहंकार और अज्ञान का अंधकार मिटाओ, और फिर उस प्रकाश को प्रेमपूर्वक संसार में बाँटो। क्योंकि सच्चा संत वही है जो स्वयं प्रकाशित होकर दूसरों को भी प्रकाशित करे। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

इस वर्ष की दूसरी नेशनल लोक अदालत

सलीम हुसैन

झाबुआ में 9 मई को द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला न्यायालय परिसर झाबुआ में प्रातः 10:30 बजे प्रधान जिला न्यायाधीश महोदया आशिता श्रीवास्तव, न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागणों के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रथम जिला न्यायाधीश प्रकाश केरकेट्टा, द्वितीय जिला न्यायाधीश राकेश कुमार पाटीदार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार मुजाल्दा, न्यायिक मजिस्ट्रेट सरोज बाला मुजाल्दा, जिविसेप्रा झाबुआ के सचिव शिव कुमार डावर, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रद्धा पटेल, जिला विधिक सहायता अधिकारी जयदेव माणिक, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष दीपक भण्डारी सम्मानीय अधिवक्तागण, विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, न्यायालयीन कर्मचारीगण, खण्डपीठ सदस्यगण एवं पक्षकारगण उपस्थित रहें।

शुभारंभ अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्रीमती आशिता श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि नेशनल लोक अदालत न्याय व्यवस्था का वह मानवीय चेहरा है, जहां जीत किसी एक पक्ष की नहीं, बल्कि न्याय और सौहार्द की होती है। न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का बोझ कम करने के लिए लोक अदालत एक मील का पत्थर है। यहां न कोई हारता है और न कोई जीतता है, बल्कि दोनों पक्ष आपसी सहमति से एक ऐसे समाधान पर पहुंचते हैं जो स्थायी होता है। लोक अदालत के माध्यम से होने वाले समझौतों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इनके विरुद्ध कोई अपील नहीं होती, जिससे विवादों का हमेशा के लिए अंत हो जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे न्यायाधीशों और अधिवक्ताओं का यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि आज कोई भी पक्षकार यहां से निराश होकर न जाए, बल्कि एक मुस्कुराहट और समाधान के साथ घर लौटे।

न्यायालय परिसर में दिनभर चली नेशनल लोक अदालत में विद्युत विभाग, बैंक, नगर पालिका, बी.एस.एन.एल. विभाग हेतु लगे स्टॉलो पर पक्षकारों की राजीनामा के लिए चर्चा करने के लिए पक्षकारगण उपस्थित रहें। 14 खण्डपीठों में न्यायालय के कुल समझौता योग्य 338 प्रकरणों का निराकरण हुआ जिसमें अवार्ड राशि 23822517/- रूपये प्राप्त हुये एवं प्रीलिटिगेशन में कुल 326 प्रकरणों का निराकरण होकर अवार्ड राशि 5474591/- रूपये पारित हुई। इस प्रकार न्यायालय एवं प्रीलिटिगेशन के कुल 664 प्रकरणों का निराकरण सफलतापूर्वक हुआ। लोक अदालत के माध्यम से कई पक्षकारों के मध्य आपसी मधुर संबंध स्थापित हुये। सभी अधिवक्ता, लोक अदालत के खण्डपीठ के सदस्य, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी एवं न्यायालयीन कर्मचारियों का भी सराहनीय सहयोग रहा।

सशक्त पत्रकार समिति की बैठक संपन्न

विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर बनी रणनीति, प्रदेशव्यापी विस्तार अभियान को गति देने हेतु हरी झंडी दिखाकर वाहन रवाना किया, नेशनल मीडिया मीट तारीख की जल्द होंगी घोषणा पत्रकारों के हॉस्पिटल से संबंधित कार्यों के लिए प्रदेश अध्यक्ष ने अपने वाहन को नि :शुल्क देने की घोषणा की

महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुर। पत्रकारों के अधिकारों की हक की लड़ाई में एवं उनके सर्वांगीण विकास करने हेतु सदैव अग्रणी सशक्त पत्रकार समिति की आगामी संगठनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों को लेकर रविवार को आयोजित बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में पत्रकार हितों, संगठन विस्तार एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सशक्त पत्रकार समिति प्रदेश अध्यक्ष उमेश जंगाले ने बताया कि पत्रकारों की विभिन्न मांगों को लेकर शीघ्र सांकेतिक धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जिसके माध्यम से पत्रकारों की समस्याओं एवं अधिकारों को शासन-प्रशासन तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाएगा। वहीं संगठन के प्रदेशव्यापी विस्तार अभियान को गति देने हेतु समिति के नवीन वाहन को वरिष्ठ पत्रकार नितिन इंगले एवं इकबाल अंसारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नितिन इंगले ने बताया कि यह वाहन प्रदेशभर में संगठन के विस्तार, सदस्यता अभियान एवं पत्रकारों के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं इकबाल अंसारी ने बताया कि वाहन आने से संगठन की गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेंगी। बैठक में अतिशीघ्र आयोजित होने वाली "नेशनल मीडिया मीट" को लेकर भी व्यापक चर्चा की गई। समिति के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों ने सभी सदस्यगणों से सक्रिय सहभागिता निभाने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अभी से तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष उमेश जंगाले ने कहा कि जल्द ही नेशनल मीडिया मीट की तारीख की घोषणा की जाएंगी। वहीं। किसी पत्रकार को हॉस्पिटल से संबंधित कार्यों के लिए वाहन लगता हैं, तो प्रदेश अध्यक्ष उमेश जंगाले द्वारा उनके निजी वाहन को निःशुल्क देने की घोषणा की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विनोद लोंढे का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया, जिसके बाद उनका पत्रकारों ने पुष्पमाला से स्वागत किया। इस अवसर पर पत्रकारों ने अपने विचार रखें। इस दौरान वरिष्ठ प्रदेश संरक्षक नितिन इंगले, प्रदेश महासचिव गोपाल सावनेर, इकबाल अंसारी, निलेश महाजन, विनोद लोंढे, विनोद सोनराज, भगवानदास शाह, तौकीर आलम, अनिल महाजन, संजय रघुवंशी, शहजाद तेलारे, प्रीतम महाजन, वाहिद अली, मुजफ्फर अली, शेख अजहर, मो. शब्बीर, साजिद खान, फिरोज तडवी, रसीद अंसारी सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

माधव नगर में फिटनेस, मनोरंजन और स्वच्छता जागरूकता गतिविधियों से उमड़ा जनसैलाब

कटनी रविवार की सुबह जब आम दिनों में शहर नींद में होता है, कटनी के माधवनगर की सड़कें सेहत शाला ओर स्वच्छता की पाठशाला से लबरेज नजर आई । नगर निगम प्रशासन की दूरदर्शी पहल "राहगीरी डे" ने साबित कर दिया कि स्वच्छता सिर्फ गलियों की सफाई नहीं, सोच की सफाई भी है और फिटनेस कोई लग्जरी नहीं, तनावमुक्त जीवन की बुनियादी जरूरत है। नगर निगम प्रशासन द्वारा आयोजित "राहगीरी डे" ने रविवार की सुबह माधव नगर के बाबा माधव शाह चिकित्सालय मार्ग को ऊर्जा, उत्साह और स्वच्छता जनजागरूकता के केंद्र में बदल दिया। फिटनेस और स्वच्छता को एक साथ जोड़ते इस अभिनव आयोजन में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी कर स्वस्थ एवं तनावमुक्त जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार,मेयर इन काउंसिल सदस्य मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता बीना संजू बैनर्जी, सुमन राजू माखीजा, पार्षद मौसुफ बिट्टू,श्याम पंजवानी, गोविंद चावला, सीमा श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद राजू माखीजा, निरंजन पंजवानी, राजा जगवानी, अजय सरावगी, डॉ ब्रह्मा जसूजा स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर, उद्योगपति सहित नगरीय एवं उपनगरीय क्षेत्र के विभिन्न समाजसेवी एवं भारी संख्या में नागरिकों की मौजूदगी रही।

फिटनेस गतिविधियों ने बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम का शुभारंभ योगा से हुआ। इस दौरान रस्सा कशी, बोरा दौड़, सांप-सीढ़ी, पिट्ठू, शतरंज, कैरम साइकिलिंग, चेयर कंपीटीशन,बोरा दौड़, नींबू चम्मच दौड़ सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसका खुले आसमान के नीचे लोगों ने खुलकर लुफ्त उठाया। कार्यक्रम में नेहा मोटवानी की टीम की प्रस्तुति पर नागरिकों ने उत्साहपूर्वक जुंबा किया। महापौर एवं निगमायुक्त ने स्वयं योग और जुंबा में सहभागिता कर फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

स्वच्छता जागरूकता का प्रभावी संदेश

स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक एवं विभिन्न सेग्रीगेशन एवं स्वच्छता जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से सिंगल यूज प्लास्टिक, गंदगी एवं अस्वच्छ वातावरण से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती सूरी ने उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। इको ब्रिक्स स्टॉल के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश रोचक ढंग से दिया गया।

मैजिक शो एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध जादूगर एम. कुमार द्वारा एक से बढ़कर एक अद्भुत एवं रोमांचक मैजिक शो प्रस्तुत कर स्वच्छता, जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया । वहीं रस कला संगीत विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने "ये चमक ये धमक सब कुछ सरकार तुम्हीं से है " के बोल पर दी गई मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति ने उपस्थित सभी जनों का मन मोह लिया। जिसकी उपस्थित जनों ने सराहना की।

विजेता प्रतिभागी और स्वच्छता मित्रों का सम्मान

कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों सहित स्थानीय वयोवृद्ध महिला श्रीमती पोपरी बाई को उत्साह पूर्ण सहभागिता के लिए "स्वच्छता चैंपियन" सैश एवं तुलसी का गमला भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं शहर की स्वच्छता व्यवस्था में विशेष योगदान देने वाले निगम के स्वच्छता मित्रों का भी सम्मान किया गया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने कहा कि "राहगीरी डे केवल मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ और स्वच्छ जीवनशैली को जनआंदोलन बनाने का प्रयास है। आगे भी नगर के अन्य वार्डों में राहगीरी डे का आयोजन कर नागरिकों को फिटनेस एवं स्वच्छता से जोड़ा जाएगा।" कार्यक्रम ने यह संदेश प्रभावी रूप से दिया कि स्वस्थ नागरिक, स्वच्छ शहर और सकारात्मक जीवनशैली एक-दूसरे के पूरक हैं। इस दौरान निगम के अधिकारी कर्मचारियों की मौजूदगी रही।

कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित; कहा - "शिक्षा के साथ अनुशासन और लक्ष्य निर्धारण ही सफलता का मार्ग"

दिलीप पाटीदार

धार शिक्षा ही समाज एवं राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है। बच्चे यदि शिक्षा के साथ अनुशासन और लक्ष्य निर्धारण को अपनाएँ, तो निश्चित ही सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उक्त प्रेरक विचार नवागत कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना ने गंधवानी जनपद क्षेत्र के ग्राम कामता (चोटियाखेड़ी) में व्यक्त किए। विविधि श्रीमद् भागवत ज्ञान प्रचार समिति द्वारा मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना ने कहा कि "आपका भविष्य आज के आपके निर्णयों पर निर्भर करता है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता; केवल कठिन परिश्रम और निरंतरता ही आपको लक्ष्य तक पहुँचाती है।" उन्होंने ग्रामीण जनों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए आग्रह किया कि वे बच्चों की शिक्षा में निवेश करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएं यदि सही दिशा चुनें, तो वे देश के शीर्ष पदों तक पहुँच सकती हैं।अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री प्रमोद गुर्जर ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा कि "इन चार स्तंभों पर दें ध्यान"। श्री प्रमोद गुर्जर ने विद्यार्थियों को करियर की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में चार चीजें अनिवार्य हैं: पहली- कम्युनिकेशन स्किल, ताकि आप अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकें। दूसरी- बेसिक एप्टीट्यूड, जिसमें गणित और तर्कशक्ति मजबूत हो। तीसरी- करंट अफेयर्स, यानी देश-दुनिया की खबरों से जुड़ाव। और चौथी- हॉबी, जो आपके व्यक्तित्व को निखारती है। उन्होंने युवाओं को मोबाइल के दुरुपयोग और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर संस्कारों को अपनाने की सलाह दी।समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को फोल्डर एवं स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। कक्षा 10वीं में मयंक मंडलोई (प्रथम), इंदिरा सोलंकी (द्वितीय) व ज्योति कंवर (तृतीय) तथा कक्षा 12वीं में लक्ष्मी सिसोदिया (प्रथम), कविता मौर्य (द्वितीय) व राधिका चौहान (तृतीय) को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों, अधिकारियों और मातृशक्ति का भी सम्मान किया गया।कार्यक्रम प्रशासनिक अधिकारी, समिति के सदस्य सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. बी. एस. मुझालदा ने किया एवं आभार प्रदर्शन श्री रनसिंह चौहान द्वारा किया गया।

चोइतराम फल-सब्जी मंडी प्रांगण में यातायात व्यवस्था सुचारु

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। चोइतराम फल एवं सब्जी मंडी प्रांगण में यातायात व्यवस्था लगातार सुचारू रूप से संचालित हो रही है। मंडी परिसर में वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रशासन और मंडी प्रबंधन द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है। मंडी में आने वाले व्यापारियों, किसानों, हम्मालों और ग्राहकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रवेश और निकास मार्गों पर यातायात का संचालन व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। मंडी परिसर में अव्यवस्थित पार्किंग और जाम की स्थिति से बचने हेतु कर्मचारियों की तैनाती भी की गई है। व्यापारियों ने बताया कि यातायात व्यवस्था बेहतर होने से माल की आवाजाही में आसानी हो रही है और मंडी में खरीद-बिक्री का कार्य भी सुचारू रूप से चल रहा है। मंडी प्रशासन द्वारा समय-समय पर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ग्राम पंचायत बड़ोदिया के सरपंच विक्रम खराड़ी के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर, ग्रामवासियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

दिलीप पाटीदार

सरदारपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़ोदिया के लोकप्रिय सरपंच विक्रम खराड़ी के निधन का समाचार मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। उनके निधन से ग्राम पंचायत सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गहरा दुख व्यक्त किया जा रहा है। वे लंबे समय से ग्राम विकास, जनसेवा और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने गाँव में सड़क, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु कई महत्वपूर्ण कार्य कराए। ग्रामीणों के सुख-दुख में सदैव साथ रहने वाले सरपंच जी अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और सेवा भावना के कारण लोगों के बीच विशेष पहचान रखते थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता माही मुक्तिधाम पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामवासियों ने कहा कि सरपंच विक्रम खराड़ी जी का योगदान सदैव याद किया जाएगा तथा उनका जाना ग्राम पंचायत के लिए अपूरणीय क्षति है।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की। पूरे ग्राम पंचायत क्षेत्र में शोक का वातावरण बना हुआ है।

कलेक्टर ने अमझेरा और जीराबाद में स्वास्थ्य एवं उपार्जन केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने मरीजों के स्वास्थ्य की ली जानकारी, स्वास्थ्य केंद्रों में समुचित व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के दिए निर्देश उपार्जन केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त मात्रा में तोल कांटे व हम्माल हो जिससे उन्हें इंतजार ना करना पड़े

दिलीप पाटीदार

धार, कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना ने रविवार को जिले के भ्रमण के दौरान अमझेरा और जीराबाद क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित गेहूँ उपार्जन केंद्र की जमीनी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और सुगमता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर जोर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमझेरा के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने ओपीडी, वार्ड, दवा वितरण केंद्र, मरीजों के उपचार का सूक्ष्म अवलोकन किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से चर्चा कर उन्हें मिल रही सुविधाओं और दवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने खंड चिकित्सा अधिकारी (BMO) को निर्देशित किया कि अस्पताल परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए स्वास्थ्य केंद्र में किस प्रकार के मरीजों आ रहे हैं यह जानकारी ली एवं निर्देश दिए कि भीषण गर्मी के मौसम में मरीजों को त्वरित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।इसी क्रम में कलेक्टर श्री मीना ने जीराबाद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली को देखते हुए निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुरूप आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पूरी सुगमता के साथ मिलना सुनिश्चित करें। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो। दवाईयां, पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य केंद्रों पर डायरिया के इलाज हेतु पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

वीरों को जन्म देने वाली माताओं को किया नमन

कानपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल किदवई नगर के प्रांगण में मदर्स डे के उपलक्ष्य में भव्य और भावनात्मक का आयोजन किया गया। बच्चों ने माताओं के सम्मान में विशेष प्रस्तुति दी। बच्चों ने रोल प्ले नाट्य रूपांतरण के माध्यम से उन प्रसिद्ध माताओं का जीवंत अभिनय किया। मुख्य अतिथि प्रो वाइस चेयरपर्सन बंदना मिश्रा ने विचार व्यक्त किए। विद्यालय की हेडमिस्ट्रेस अलका जोशी ने अपने संबोधन में सभी माताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा माँ हमारे जीवन की पहली गुरु होती है। तथा आज का कार्यक्रम उनके प्रति हमारी श्रद्धा और सम्मान का एक छोटा सा प्रयास है। हम उनके योगदान को कभी शब्दों में नहीं बाँध सकते। समारोह का समापन सभी माताओं के सम्मान में धन्यवाद और सामूहिक चित्रण के साथ हुआ।

वन विभाग कि बड़ी कार्रवाई अवैध 20 क्विंटल बबूल की लकड़ी से भरा वाहन जब्त

दिलीप पाटीदार

धार वन मंडल धार द्वारा जिले में लकड़ी तस्करों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने बीती रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए अवैध बबूल की लकड़ी से भरा वाहन जब्त किया है। वन मंडल अधिकारी श्री विजयानंथम टी.आर. के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र अधिकारी धार श्री सचिन सैयदे द्वारा विशेष गश्ती एवं चेकिंग दल का गठन किया गया था। टीम ने उमरिया से सोनारखेडी मार्ग पर घेराबंदी कर वाहन क्रमांक MP09 GE6808 को रुकवाया। तलाशी लेने पर वाहन में लगभग 20 क्विंटल बबूल की लकड़ी भरी पाई गई। वाहन चालक लोकेश पिता भंवरसिंह, निवासी हाप्सखेडी, से लकड़ी के परिवहन एवं कटाई के संबंध में दस्तावेज मांगे गए, जिन्हें प्रस्तुत करने में वह असमर्थ रहा। वन विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर कार्यवाही करते हुए वाहन को लकड़ी सहित जब्त कर वन परिक्षेत्र कार्यालय धार पहुंचाया। जब्त की गई लकड़ी का अनुमानित बाजार मूल्य 12,000/- रुपये आंका गया है। विभाग द्वारा आरोपी के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में वन रक्षक श्री लक्ष्मण भवेल, श्री नर्गेश चौहान और श्री महेन्द्रसिंह डोमरे की सराहनीय भूमिका रही। विभागीय सक्रियता के चलते वन संपदा का अवैध दोहन करने वाले तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगा है।

कटनी के चार गाँव बनेंगे 'नए वृंदावन', विकास की नई इबारत लिखेगी मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना

कृषि,पशुपालन, सौर ऊर्जा और महिला सशक्तिकरण से आत्मनिर्भर बनेंगे गांव कुपोषण मुक्त, स्वच्छ और कार्बन न्यूट्रल ग्रामों के निर्माण की दिशा में बड़ा कदम

कटनी । कटनी जिले के गांव केवल खेती तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आत्मनिर्भरता, आधुनिक कृषि, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के नए मॉडल के रूप में पहचान बनाएंगे। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के तहत जिले के चार गांवों का चयन किया गया है, जहां विकास की ऐसी तस्वीर तैयार होगी, जो आने वाले समय में पूरे प्रदेश के लिए मिसाल बन सकती है। योजना के तहत विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र का ग्राम बरनमहगवां, मुड़वारा विधानसभा क्षेत्र का ग्राम जरवाही, बहोरीबंद विधानसभा क्षेत्र का ग्राम बहोरीबंद तथा बड़वारा विधानसभा क्षेत्र का ग्राम दशरमन "वृंदावन ग्राम" के रूप में विकसित किए जाएंगे। इन गांवों को आधुनिक सुविधाओं, उन्नत कृषि, पशुधन विकास, स्वच्छता, सौर ऊर्जा और पर्यावरणीय संतुलन के समन्वय से एक नई पहचान दी जाएगी।

इन ग्रामों के चयन को जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह द्वारा अनुमोदन प्रदान किया जा चुका है। योजना के अंतर्गत ऐसे गांवों का चयन किया गया है, जहां पर्याप्त पशुधन हो और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कृषि एवं पशुपालन के माध्यम से मजबूत बनाया जा सके। बरनमहगवां बनेगा पोषण और महिला सशक्तिकरण का मॉडल ग्राम बरनमहगवां में वर्ष 2030 तक कुपोषण शून्य करने का लक्ष्य रखा गया है। यहां 560 महिलाओं को "लखपति किसान" बनाने की योजना तैयार की गई है। गांव में शत-प्रतिशत स्वच्छ पेयजल, बिजली और गौशाला आधारित पोषण वाटिकाओं का निर्माण किया जाएगा। इससे महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ेगी और परिवारों की आय में सुधार होगा।

बहोरीबंद में स्वास्थ्य और समृद्धि पर रहेगा फोकस ग्राम बहोरीबंद में 660 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर "लखपति किसान" तैयार किए जाएंगे। गांव को पर्याप्त जल उपलब्धता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं वाले आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। यहां कुपोषण समाप्त करने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जाएगा। जरवाही में सौर ऊर्जा और जल प्रबंधन को मिलेगा बढ़ावा ग्राम जरवाही में बेहतर जल निकासी व्यवस्था विकसित की जाएगी। यहां 271 महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर आय के नए स्रोत उपलब्ध कराए जाएंगे। पशुधन आधारित आय मॉडल, सौर ऊर्जा और स्वच्छ जल प्रबंधन जैसी योजनाएं गांव को आधुनिक और टिकाऊ विकास की दिशा में आगे बढ़ाएंगी।

दशरमन बनेगा कार्बन न्यूट्रल और ओडीएफ प्लस प्लस ग्राम

ग्राम दशरमन को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने की योजना है। गांव को ओडीएफ प्लस प्लस और कार्बन न्यूट्रल बनाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही वर्ष 2026 तक ग्रामीणों की आय में 40 प्रतिशत वृद्धि, शून्य कुपोषण और शून्य ड्रॉप आउट सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे। कलेक्टर आशीष तिवारी ने बताया कि चयनित गांवों के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इन ग्रामों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ कृषि उन्नयन, पशुपालन, रोजगार सृजन, सौर ऊर्जा और स्वच्छता पर विशेष फोकस रहेगा। कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना केवल विकास योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का एक व्यापक अभियान है। इसका उद्देश्य गांवों को आत्मनिर्भर बनाना, ग्रामीणों की आय बढ़ाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करना है। मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के माध्यम से कटनी के ये 4 गांव अब विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखने जा रहे हैं। आने वाले वर्षों में ये गांव ग्रामीण भारत के बदलते स्वरूप की प्रेरणादायी मिसाल बन सकते हैं।

एमपी में खत्म हुई बारिश की राहत, अब 12 मई से चलेगी भीषण लू

कई शहरों में तापमान 44 डिग्री के पार पहुंचने का अलर्ट

Madhya Pradesh में पिछले कई दिनों से जारी आंधी, बारिश और मौसम के उतार-चढ़ाव के बाद अब एक बार फिर भीषण गर्मी की वापसी होने जा रही है। मौसम विभाग ने प्रदेश में 12 मई से तेज लू चलने की चेतावनी जारी की है। आगामी दिनों में तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना जताई गई है, जिससे लोगों को एक बार फिर तपती गर्मी और गर्म हवाओं का सामना करना पड़ेगा।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में पिछले 10 दिनों से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और नमी के असर के कारण बारिश और आंधी का दौर बना हुआ था, लेकिन अब मौसम प्रणाली कमजोर पड़ने लगी है और आसमान साफ होते ही सूर्य की तपिश तेजी से बढ़ेगी। India Meteorological Department के अनुसार मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में अगले 48 घंटों के भीतर तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। राजधानी Bhopal, Indore, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर समेत कई प्रमुख शहरों में गर्मी के तेवर तेज होने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग का कहना है कि जैसे-जैसे हवाओं का रुख बदलेगा और वातावरण में नमी कम होगी, वैसे-वैसे लू का असर बढ़ता जाएगा प्रदेश में गर्मी ने अभी से अपने तीखे संकेत देना शुरू

कर दिए हैं। बीते 24 घंटों में Ratlam प्रदेश का सबसे गर्म जिला दर्ज किया गया, जहां अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके अलावा कई अन्य जिलों में भी तापमान 40 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ सकता है।

विशेष रूप से पश्चिमी मध्य प्रदेश के जिलों में हीट वेव का खतरा अधिक बताया गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मालवा और निमाड़ क्षेत्र में तेज गर्म हवाएं चल सकती हैं। Khargone, Khandwa, Dhar, Barwani और Ujjain जैसे जिलों में तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों के लिए विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। पिछले 10 दिनों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी, बिजली चमकने और बेमौसम बारिश के कारण मौसम अपेक्षाकृत ठंडा बना हुआ था। कई जिलों में किसानों को फसलों के नुकसान का सामना भी करना पड़ा। लेकिन अब मौसम पूरी तरह बदलने जा रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होने के बाद गर्म हवाओं का दबाव तेजी से बढ़ेगा और मई के दूसरे सप्ताह में गर्मी अपने चरम पर पहुंच सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने भी बढ़ती गर्मी को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सीधे धूप में निकलने से बचने की सलाह दी गई है। डॉक्टरों का कहना है कि लगातार बढ़ती गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और चक्कर आने जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी। विशेषज्ञों के अनुसार शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए लगातार पानी पीते रहना बेहद जरूरी है। घर से बाहर निकलते समय सिर को कपड़े या टोपी से ढंकना चाहिए और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने चाहिए।

ईरान-इजराइल तनाव खतरनाक मोड़ पर, अमेरिकी ठिकानों पर हमले की खुली धमकी

तेहरान/वॉशिंगटनः मध्य पूर्व में ईरान और इजराइल के बीच जारी तनाव अब बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। ईरान ने अमेरिकी ठिकानों पर सीधे हमले की खुली चेतावनी देकर हालात को और गंभीर बना दिया है। ईरानी सेना ने साफ कहा है कि अगर उसके तेल टैंकरों या व्यावसायिक जहाजों को निशाना बनाया गया तो अमेरिका के सैन्य अड्डों और युद्धपोतों पर जवाबी हमला किया जाएगा। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दो टूक कहा है कि खाड़ी क्षेत्र में किसी भी तरह की कार्रवाई का जवाब सीधे सैन्य ताकत से दिया जाएगा। ईरानी मीडिया में दावा किया गया है कि मिसाइल और ड्रोन पहले से ही संभावित लक्ष्यों पर नजर बनाए हुए हैं और केवल आदेश मिलने का इंतजार है।

ट्रंप के 14 सूत्रीय प्रस्ताव पर अटका मामला

अमेरिका की ओर से तनाव कम करने के लिए 14 सूत्रीय प्रस्ताव रखा गया है, लेकिन उस पर अब तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उम्मीद थी कि ईरान जल्द जवाब देगा, मगर तेहरान ने साफ संकेत दिया है कि बिना शीर्ष नेतृत्व और सुरक्षा परिषद की मंजूरी के कोई फैसला नहीं लिया जाएगा। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रस्ताव की तकनीकी और सुरक्षा स्तर पर जांच की जा रही है। जब तक अंतिम राय नहीं बनती, तब तक अमेरिका को इंतजार करना होगा।

समुद्र में बढ़ा खतरा, हजारों नाविक दहशत में

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव का असर समुद्री व्यापार पर भी साफ दिखाई देने लगा है। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 20 हजार नाविक पिछले कई सप्ताह से समुद्र में फंसे हुए हैं। लगातार हमलों और मिसाइल खतरे की वजह से जहाजों पर काम करने वाले कर्मचारियों में भय का माहौल है। बताया जा रहा है कि अब तक कई नाविकों की मौत भी हो चुकी है। तेल टैंकरों और मालवाहक जहाजों के चालक दल लगातार असुरक्षा के बीच काम कर रहे हैं। उन्हें डर है कि किसी भी समय मिसाइल या ड्रोन हमला हो सकता है।

लेबनान और पश्चिम एशिया पर भी असर

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह तनाव और बढ़ता है तो इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ सकता है। लेबनान, सीरिया और खाड़ी देशों में सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए यात्रा सलाह भी जारी की है।

भारत की बढ़ी चिंता

तनाव के बीच हिंद महासागर और खाड़ी क्षेत्र में भारतीय जहाजों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। भारत सरकार हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार मार्गों पर असर पड़ने की आशंका के चलते आर्थिक मोर्चे पर भी दबाव बढ़ सकता है।

बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद सबसे बड़ी चुनौती क्या खत्म होगी हिंसा और तुष्टीकरण की राजनीति?

West Bengal की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है।विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि क्या राज्य वास्तव में राजनीतिक हिंसा, तुष्टीकरण और अराजक प्रशासन की संस्कृति से बाहर निकल पाएगा? लंबे समय तक राज्य की सत्ता पर काबिज रही Mamata Banerjee और उनकी पार्टी All India Trinamool Congress की हार ने केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदले, बल्कि बंगाल की सामाजिक और प्रशासनिक स्थिति को लेकर भी व्यापक बहस छेड़ दी है। चुनाव परिणामों के बाद अब नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने, राजनीतिक हिंसा को रोकने और जनता का भरोसा दोबारा मजबूत करने की है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर को लेकर चुनाव से पहले ही भारी विवाद शुरू हो गया था। ममता बनर्जी ने इस प्रक्रिया का तीखा विरोध किया और इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, लेकिन अदालत ने न केवल इस प्रक्रिया को वैध माना बल्कि इसे जारी रखने के निर्देश भी दिए। शीर्ष अदालत ने इसकी निगरानी न्यायिक अधिकारियों को सौंपकर यह संकेत दिया कि निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है। चुनाव आयोग द्वारा बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती का भी ममता सरकार ने विरोध किया, लेकिन चुनावी हिंसा पर नियंत्रण बनाए रखने में केंद्रीय बलों की भूमिका अहम मानी गई।

हालांकि चुनाव परिणाम आने के बाद ममता बनर्जी ने अपनी हार का ठीकरा चुनाव आयोग और एसआइआर प्रक्रिया पर फोड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से लाखों नाम हटाए गए, जिससे चुनाव प्रभावित हुआ। लेकिन आंकड़े इस दावे को पूरी तरह सही साबित नहीं करते। जिन सीटों पर सबसे अधिक नाम हटाए गए, उनमें से कई सीटों पर टीएमसी को जीत मिली। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल मतदाता सूची पुनरीक्षण को हार की वजह बताना राजनीतिक वास्तविकताओं से आंखें मूंदने जैसा है। असल में बंगाल की जनता के भीतर पिछले कुछ वर्षों में सरकार के खिलाफ गहरा असंतोष पैदा हो चुका था। ममता बनर्जी ने जब सत्ता संभाली थी, तब उन्होंने वाम दलों के लंबे शासन के खिलाफ "परिवर्तन" का नारा दिया था। जनता को उम्मीद थी कि बंगाल में राजनीतिक हिंसा और दबंगई खत्म होगी, लेकिन समय के साथ हालात बदलते गए। टीएमसी पर भी वही आरोप लगने लगे जो कभी वामपंथी सरकारों पर लगते थे। अवैध वसूली, स्थानीय स्तर पर दबाव की राजनीति, प्रशासनिक पक्षपात और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे लगातार सामने आते रहे। राज्य में महिला सुरक्षा का मुद्दा भी चुनाव में बड़ा कारक बनकर उभरा। R. G. Kar Medical College and Hospital में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इसके अलावा Sandeshkhali में महिलाओं के साथ हिंसा और दुर्व्यवहार के आरोपों ने राज्य सरकार की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। विपक्ष ने इन घटनाओं को कानून व्यवस्था की विफलता बताते हुए जनता के बीच जोरदार तरीके से उठाया। इसका असर चुनाव परिणामों में भी देखने को मिला।